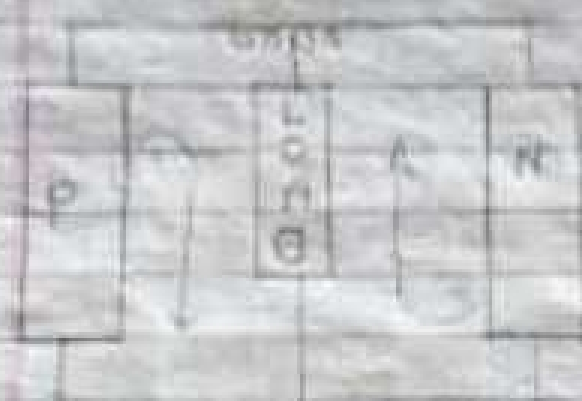


## 09 Answer

यादवली कनवर्टर का इस्तेमाल करना है।  
इसी शक्ति को विद्युत् प्रदान करने के लिए  
जिसकी सहायता से प्रणाली को चलाना  
आवृत्ति में परिवर्तन आया जाता है।  
यह मुख्य रूप से AC से AC तक  
परिवर्तन है जिसमें यह प्रदान करता है  
कीलिंग से बिना AC प्रदान में  
सीधा प्रदान कीलिंग को आसानी से  
क्रम आवृत्ति को सेट कीलिंग प्रदान करता

यदि दो कनवर्टर लिए जाए और  
इसमें इस प्रकार व्यवस्थित किया जा  
सकता है आपस में जो इस प्रकार  
प्रदान किए कि एक कनवर्टर का  
से बिना में विद्युत् प्रदान को  
सब दूसरे कनवर्टर का से प्रदान  
में विद्युत् प्रदान प्रदान को तो इस  
प्रकार की व्यवस्था के विद्युत् प्रदान  
से प्रदान कीलिंग आवृत्ति के प्रदान को  
असल क्रम क्रम को अनुमानित प्रदान को  
को कीलिंग प्रदान को जो एक तरह  
जैसा कि बिना में विद्युत् प्रदान है।



(i) सामान्य साइफ्लोकनपरलर



(ii) FPP - NNN

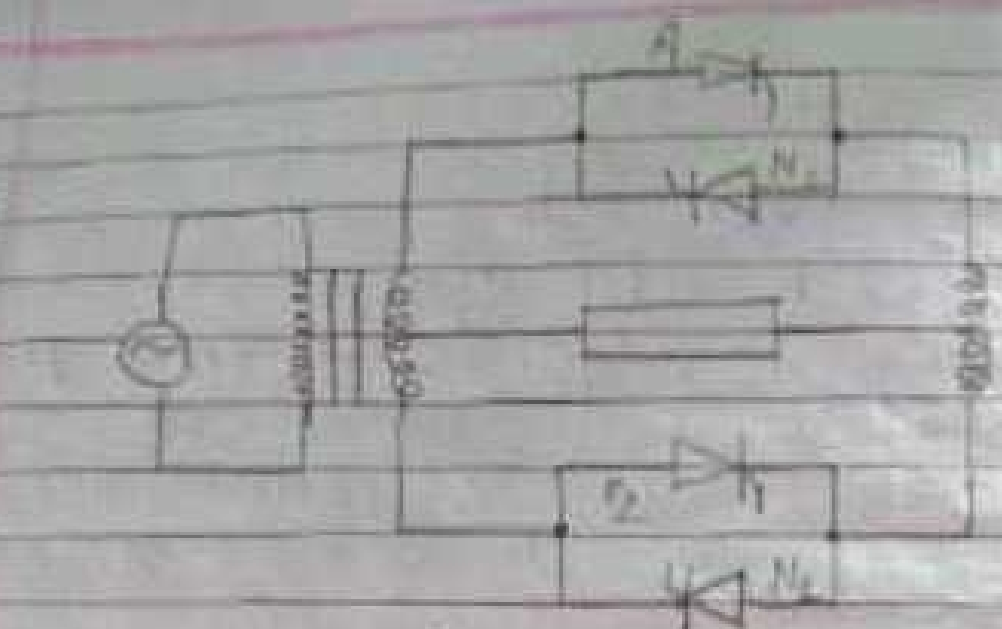


(iii) FPP - NNN

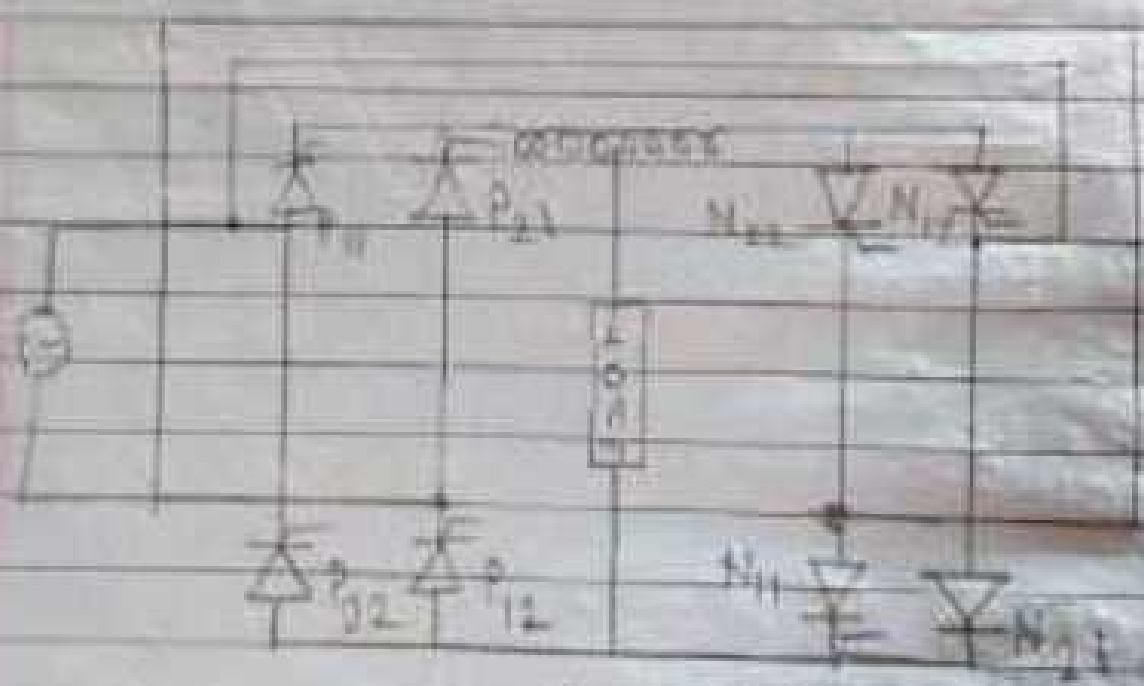
एक क्वीय से एक क्वीय साइफ्लोकनपरलर

ठे साइफ्लोकनपरलर, जिनके द्वारा एक क्वीय एक स्थिर आवृत्ति के पैल्लो से एक क्वीय फॉल्लो आउट पैल्लो हुयल्ले की जति है एक क्वीय साइफ्लोकनपरलर क्वीय है। इसकी दो प्रकृतिय परिष्क लयपरिष्क (a) मध्य - लय साइफ्लोकनपरलर तथा (b) लय परिष्क प्रकृतिय में प्रकृति है। मध्य - लय पैल्लोयत परिष्क के

$P_1 P_2 - N_1 N_2$  प्रकृतिय तथा  $P_1 P_2 P_1 - N_1 N_2$  प्रकृतिय में प्रकृति पायल्ले होयल्ले



(a) अर्धचक्र दैव परिणामित परिणाम



(b) दैव परिणाम

एक ळलीय से एक ळलीय साइकल प्रपन कुपाएक